(b) whether it is a fact that Israel successfully undertaken the linkage of rivers in eleven countries ;

(c) whether it is also a fact that Israel would support Indian application for a World Bank loan for the project of South Indian rivers ; and

(d) if so, the reaction of Government in this regard?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI VIDYACHARAN SHUKLA) : (a) No, Sir.

(b) No information is available on projects undertaken by Israel to link up rivers in other countries.

(c) and (d) Do not arise.

गैर-सिंचित भूमि

1548. **श्री अजीत जोगी :**

कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विभिन्न राज्यों में गैर सिंचित भूमि क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण कराने का कोई प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख) कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर भूमि उपयोग सांख्यिकी प्रकाशित कर रहा है जिसमें अन्य बातों के साथ साथ सिंचित भूमि, कुल फसली क्षेत्र तथा कुल कृषि योग्य क्षेत्र का। राज्यवार ब्यौरा भी शामिल होता है वर्ष 1987–88 के लिए उपलब्ध नवीनतम भूमि उपयोग सांख्यिकी के अनुसार 1,72,881 हजार हेक्टेयर सकल बुआई क्षेत्र में से सकल सिंचित क्षेत्र 52,216 हजार हेक्टेयर है जो सकल बुआई क्षेत्र का लगभग 33% है । शेष क्षेत्र असिंचित है ।

Telugu Ganga Project

1549. SHRI G. VIJAYA MOHAN REDDY :
DR. NARREDDY THULASI REDDY :

Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Government do not have any objection to give clearance to Telugu Ganga Project provided the Andhra Pradesh Government give an assurance that it would not claim any surplus water of Krishna river after the year 2000 A.D. ; and

(b) what is the reaction of the State Government there to ?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) and (b) Telugu Ganga Project, though techno-economically apprised by the Central Water Commission, its consideration was deferred by the Advisory Committee in April, 1988 as the project had not been cleared from inter-State angle. In order to resolve the Inter-State issue the meeting of the Chief Ministers of Andhra Pradesh, Karnataka and Maharasthra, convened by the then Minister (Water Resources) on 5-4-1990 could not materailise as the Chief Minister of Karnataka informed that the Chief Ministers would themselves resolve the issues relating to sharing of Krishna waters. The three Chief Ministers met twice in 1990. They are to meet again for consideration of the four tentative alternative prposals that emerged during their second meeting.

तिलैया और कोनार परियोजनाएं

1550. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) डी०वी०सी० की तिलैया और कोनार परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है और किसानों को उससे कितना पानी सिंचाई हेतु मुहैया किया जा रहा है ;

(ख) क्या हाल ही में बिहार, बंगाल और केन्द्र सरकार के प्रतिनिधियों की इस संबंध में बैठक हुई थी, यदि हां, तो, उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन दोनों परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) तिलैया घाघर परियोजना तथा कोनार व्यपवर्तन परियोजना पर क्रमश: मार्च, 1983 तथा मार्च 1984 में परामर्शदात्री समिति द्वारा विचार किया गया था । उन्हें, अतिरिक्त जल-भण्डारण क्षमता जो स्वीकृति के वास्ते पहले से अपेक्षित है, के सृजन हेतु दामोदर घाटी निगम के मैथोन तथा पंचेट जलाशयों में अतिरिक्त भूमि अधिगृहीत करने संबंधी मुद्दे के हल न होने के कारण, इन पर विचार-विमर्श आस्थगित करना पड़ा । पंचेट में अतिरिक्त भूमि के अधिग्रहण में मुख्य रूप से जलाने के कोयले में क्षेत्र का डूबना शामिल है, इसलिए कोयला विभाग ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया । अंतर्राज्यीय मतभेद विद्यमान है क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने उपर्युक्त परियोजनाओं का अलग से अकेले निर्वाधन करने में आपत्ति व्यक्त की है । तिलैया तथा कोनार जलाशयों में क्रमश: लगभग 142 मिलियन घन मीटर तथा 232 मिलियन घन मीटर जल-भण्डारण के उपयोग की परिकल्पना है ताकि तिलैया तथा कोनार कमानों में क्रमश: 31700 हेक्टेयर तथा 61925 हेक्टेयर क्षेत्र की वार्षिक सिंचाई करने के लिए इन भण्डारणों से जल उपलब्ध कराया जा सके ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) इन दोनों परियोजनाओं को आठवीं योजना में पूरा करने का कार्यक्रम है ।

World Bank assistance to Major and medium irrigation projects

1551. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR : Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state :

(a) the details of major and medium irrigation projects of the country receiving World Bank assistance ; and

(b) the names of such projects being implemented in Gujarat along with the extent of work done and the target date of completion ?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) The details of Major and Medium Irrigatin Projects of the country receiving World Bank assistanc are given in annexure-I. (*See* Appendix CLXII, Annexure No. 41).

(b) In Gujarat, Gujarat Medium Irrigation Project-II and Sardar Sarovar Project are under implementation with World Bank assistance. For the Sardar Sarovar Project, two loan/credit agreements have been concluded with the World Bank (Credit No. 1552. IN for Sardar Sarovar Dam & Power Project and Credit No. 1553-IN for Sardar Sarovar Water Delivery and Drainage Project. The progress of works under these projects and the target dates of completion are given in annexure-II. (*See* Appendix CLXII, Annexure No. 41).

National Committee on Dam safety

1552. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state :

(a) the composition and tenure of the National Committee on Dam Safety;

(b) the number of meetings the Committee have held so far and the outcome thereof; and

(c) the details of recommendations accepted implemented, proposed to be implemented State-wise?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) The National Committee on Dam Safety was constituted in October 1987. The Committee as per latest composition comprises of the Chairman, Central Water Commission (CWC) as Chairman, Member (Design & Research), CWC as Vice Chairman and representatives from Geological Survey of India, Indian Meteorological Department, Bhakra Beas Management Board, Indian Association of Hydrologists, Indian Society of Engineering Geology, and State Governments of Gujarat, Bihar, Uttar Pradesh, Andhra Pradesh, Maharashtra, Kerala, Tamil Nadu, Madhya Pradesh, Karnataka, Orissa, West Bengal and Rajasthn as Members. The Chief Engineer, Dam Safety Organisation, CWC is the Member-Secretary of the